***नोट– कृपया इस हैंडबिल को व्यर्थ न करें, स्वयं पढ़ लेने के पश्चात किसी अन्य को पढ़ने के लिए दे दें।***

~सत्य बहुमत पार्टी~
'गठबंधनमुक्त राजनीतिक विकल्प'

# ~सत्य बहुमत पार्टी~

***'गठबंधनमुक्त राजनीतिक विकल्प'***

youtu.be/dCBbmOO7-cU
**कृपया इस लिंक से हैंडबिल का वीडियो देखें।**

बहनो भाइयो,

1. ~सत्य बहुमत~ राजनीतिक रूप से गठबंधनमुक्त राजनीति है, आर्थिक रूप से सभी देशवासियों को निःशुल्क शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा का अधिकार है, सामाजिक रूप से सब के लिए न्यायप्रिय व लोकप्रिय व्यवस्था है। सत्य बहुमत की राजनीति केवल एक व्यक्ति पर आधारित राजनीति नहीं है, न ही सत्य बहुमत की राजनीति दूसरे राजनीतिक दलों और नेताओं की केवल आलोचना करके सत्ता पर कब्जा करने का कोई षड़यंत्र, बल्कि प्रजातंत्र में 'सत्य बहुमत' वोटों के बहुमत की एक ऐसी राजनीति है, जो अपने आप में सभी समस्याओं का समाधान है, सत्य बहुमत की राजनीति में गरीबों की गरीबी मिटेगी, महंगाई, मिलावट, बिमारी, बेरोजगारी, गंदगी, अपराध और भीड़ से पीछा छुटेगा, किसानों को, मजदूरों को, व्यापारियों और उद्यमियों सहित सभी को, विशेष रूप से महिलाओं को, आर्थिक लाभ मिलने के साथ साथ बिना डर के सुरक्षित जीवन जीने का अनुभव होगा। जाति, धर्म, भाषा या वर्ग के भेदभाव के बिना सभी को उन्नति के समान अवसर मिलेंगे। देश के स्वाभिमान के साथ साथ प्रत्येक नागरिक का भी स्वाभिमान बढ़ेगा। ***~सत्य बहुमत~ की राजनीति आम आदमी को खास आदमी बनाती है।***

2. आज़ादी के पश्चात हमारे राजनेताओं ने प्रजातंत्र व निष्पक्ष चुनावों को आधार मानते हुए बहुमत की सरकार से शासन करना तय किया। पूरे देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए लोक सभा के 543 सांसदों का चुनाव वोटों के बहुमत से होना तय हुआ, और सरकार बनाने के लिए ये तय किया कि सरकार उस नेता के नेतृत्व में बनेगी जिसके पास जीते हुए 543 सांसदों में से कम से कम 272 सांसदों का समर्थन होगा, यानि सांसद तो चुने जाएंगे वोटों के बहुमत से और सरकार बनेगी सांसदों के बहुमत से। ***सांसदों के चुनाव वोटों के बहुमत से होते हैं इस व्यवस्था से सत्य बहुमत पार्टी सहमत है, परन्तु सांसदों के बहुमत से सरकार बनाने की राजनीति का सत्य बहुमत पार्टी विरोध करती है।***

3. सच्चे प्रजातंत्र की राजनीति में बहुमत अधिक वोटों से होना चाहिए न कि गठबंधन, समझौते, सांठगांठ और जोड़तोड़ की भ्रष्ट राजनीति करके अधिक सांसदों से। सांसदों के बहुमत से सरकार बनाने के विकल्प में देश के अधिकतम मतदाता चाहते हैं कि जिस समय लोकसभा के लिए 543 प्रतिनिधियों के चुनाव होते हैं, उस समय जिस भी राजनीतिक दल को अन्य राजनीतिक दलों की तुलना में पूरे देश में सबसे अधिक वोट मिले हों उस राजनीतिक दल के नेता का सरकार बनाने के लिए बिना किसी भ्रम और संदेह के स्पष्ट बहुमत मान लिया जाना चाहिए। जिन उम्मीदवारों को अन्य उम्मीदवारों की तुलना में वोट अधिक मिल गए वे उम्मीदवार प्रतिनिधि चुने गए, और जिस राजनीतिक दल को अन्य राजनीतिक दलों की तुलना में पूरे देश में सबसे अधिक वोट मिल गए, वह राजनीतिक दल सरकार बनाएं।

4. मैं समझता हूं कि सांसदों के बहुमत से सरकार बनाना ही भ्रष्टाचार का एकमात्र कारण है। सांसदों के बहुमत की राजनीति बिना गठबंधन, जोड़तोड़, सांठगांठ, और भ्रष्ट समझौतों के सम्भव नहीं है, इसीलिए भ्रष्टाचार का जन्म और आरम्भ होता ही सांसदों के बहुमत की राजनीति से है, इसके विकल्प में वोटों के बहुमत की राजनीति से सरकार बनाने के लिए गठबंधन और भ्रष्ट समझौते करने की आवश्यकता ही नहीं है, परिणामस्वरूप इस राजनीति में भ्रष्टाचार हो ही नहीं सकता। मैं सांसदों के बहुमत को भ्रष्ट बहुमत की राजनीति मानता हूं, और

वोटों के बहुमत को सत्य बहुमत की राजनीति कहकर गर्व का अनुभव करता हूं। सांसदों के बहुमत को भ्रष्ट बहुमत इसलिए भी कहा जा सकता है, यदि सांसद 272 से कम होंगे तो बिना भ्रष्टाचार के पूरे कैसे करोगे और यदि 272 से अधिक हैं तो बिना भ्रष्टाचार के रोक कर कैसे रखोगे? गठबंधन की भ्रष्ट राजनीति से मुक्त होने के लिए सरकार सांसदों के बहुमत से न बनकर वोटों के बहुमत से बने, इसी राजनीति को समझकर सत्य बहुमत को स्थापित करवाने की क्रांति ~सत्य बहुमत~ है।

√5. मान लो पूरे देश में सभी 543 सांसदों के चुनावों में दो राजनीतिक दल चुनाव के मैदान में हैं, पहले दल के 300 सांसद कुल 45 लाख वोट प्राप्त करके विजयी होते हैं और दूसरे दल के 243 सांसद कुल 55 लाख वोट प्राप्त करके विजयी होते हैं, आप ही बताइए बहुमत से सरकार बनाने का अधिकार कौनसे राजनीतिक दल का होना चाहिए, कम वोटों से अधिक सांसदों वाले पहले राजनीतिक दल का या अधिक वोटों से कम सांसदों वाले दूसरे राजनीतिक दल का? सत्य बहुमत की राजनीति स्पष्ट रूप से दूसरे राजनीतिक दल का जिसके पास वोट अधिक हैं भले ही सांसद कम, बहुमत से सरकार बनाने के अधिकार का समर्थन करती है। आजादी के बाद से लेकर आज तक लगभग 70 वर्षों से हमारे भ्रष्ट राजनेताओं ने बहुमत के नाम पर, सांसदों के बहुमत का खोटा सिक्का चलाकर देश की गरीब जनता को चाहे शिक्षित या अशिक्षित अच्छा मूर्ख बना रखा है। ***व्यक्तिगत रूप से किसी नेता, राजनेता या राजनीतिक दल का केवल विरोध करना सत्य बहुमत का उद्देश्य नहीं है, सत्य बहुमत का लक्ष्य है वर्तमान भ्रष्ट राजनीति और भ्रष्ट राजनेताओं के जबड़े में फंसे गरीब मतदाताओं को आजाद करके उन्हें देश के प्रजातंत्र का सच्चा स्वामी बना देना।*** सत्य बहुमत की राजनीति को स्वीकार करके आप अपने आप को कितना शक्तिशाली अनुभव करेंगे–अपनी आंखों से देखना–ये कल्पना नहीं प्राकृतिक सच्चाई है।

√6. सांसदों के बहुमत की राजनीति अच्छे लोगों को चुनने की राजनीति है ही नहीं, बल्कि इस राजनीति में तो प्रवेश करते ही अच्छे लोग भी अपने आप ही भ्रष्टाचार के समर्थक बन जाते हैं। इस राजनीति में जीतने वाला सांसद दूसरे उम्मीदवारों की तुलना में चाहे एक वोट अधिक लेकर जीते या जीतने वाला सांसद दूसरे उम्मीदवारों की तुलना में चाहे कितने ही लाख वोट अधिक लेकर जीते दोनों का महत्व एक जैसा है, इसीलिए सांसदों के बहुमत की राजनीति में न तो मतदाताओं का कोई महत्व और न ही अच्छे उम्मीदवारों के चुने जाने की कोई सम्भावना। विश्व के महानतम प्रजातंत्र में सांसदों के बहुमत से सरकार बनाने की व्यवस्था में मतदान किस प्रकार से होता है आपने कभी विचार किया!

(I) लगभग 40 प्रतिशत मतदाता सांसदों के बहुमत की भ्रष्ट राजनीति को मतदान करना ही नहीं चाहते।

(II) 18–25 वर्ष की आयु के लगभग 20/25 प्रतिशत मतदाता वोट तो डाल सकते हैं परन्तु चुनाव नहीं लड़ सकते।

(III) लगभग 10/15 प्रतिशत मतदाताओं को किसी प्रकार का भी प्रलोभन जैसे धन, शराब, उपहार, आदि देकर अपने पक्ष में टीं बजवाई जाती है।

(IV) बचे खुचे 20/25 प्रतिशत मतदाता न जाने कौन से अधिकार, किस जिम्मेवारी और किस प्रकार की देशभक्ति को मानते हुए मतदान करने के लिए जाते समय भी और मतदान करके आते समय भी इन राजनेताओं और सरकारी व्यवस्था की जी भरकर आलोचना करते हैं।

(V) जिन कुल मतदाताओं ने मतदान किया उसमें से लगभग 60/70 प्रतिशत से भी अधिक मतदाताओं ने ऐसे उम्मीदवारों को मतदान किया जो हार गए। क्या कोई भी बुद्धिजीवी ये समझा सकते हैं कि आज की राजनीति में ऐसे मतदाताओं और उम्मीदवारों का क्या महत्व है? ***क्या हमने इसी प्रकार के झूठे प्रजातंत्र और गठबंधन की भ्रष्ट राजनीति के बहुमत से सरकार बनाने के लिए लाखों वीरों-विरांगनाओं की कुर्बानी देकर आजादी ली थी?***

7. सांसदों के बहुमत से सरकार बनाने की राजनीति में हर राजनीतिक दल का केवल चुनाव जीतकर सरकार पर कब्जा करने को लक्ष्य मानते हुए, भ्रष्ट और अपराधी को अपना उम्मीदवार बनाने में किसी प्रकार का परहेज नहीं होता, इसीलिए आज आपकी संसद में जीते हुए अनगिनत सांसद भ्रष्ट और अपराधी हैं। आज जो प्रधानमंत्री हैं और उससे पहले जितने भी प्रधानमंत्री रहे मैंने आज तक किसी को भी गठबंधन, समझौतों, जोड़तोड़ और सांठगांठ की राजनीति का विरोध करते हुए न देखा न सुना। हर नेता जोड़तोड़ की भ्रष्ट राजनीति का समर्थन लेकर प्रधानमंत्री बनने के लिए लालायित रहते हैं। जरा सोच लें क्या भ्रष्ट और अपराधियों का समर्थन लेकर बनने वाले प्रधानमंत्री भ्रष्टाचारमुक्त सरकारी व्यवस्था दे सकते हैं?

8. ***जो नेता गठबंधन की भ्रष्ट राजनीति के आधार पर प्रधानमंत्री बने हों, जो नेता झूठे और लुभावने नारे गढ़कर केवल भ्रमित विज्ञापनों और जुमलेबाजी करके, केवल दूसरों पर आरोपों का सहारा लेकर, भ्रष्टाचार से अर्जित असीम धन का दुरूपयोग करके और जीते हुए भ्रष्ट एवं अपराधियों का समर्थन लेकर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बने हों ऐसे नेताओं से न्यायप्रिय और लोकप्रिय व्यवस्था की आशा करना केवल समय को बर्बाद करना है।*** इसको सिद्ध करने के लिए आजादी से आज तक 70 वर्षों का समयकाल जीता जागता उदाहरण हमारे सामने है, हर चुनाव में भ्रष्टाचार का रूप और बड़ा ही देखने को मिला। इस समयकाल में जहां विश्व के छोटे बड़े देश विश्व की महान शक्तियां बन गए वहां हम प्रजातंत्र में रहते हुए भी सरकार बनाने के लिए बहुमत की परिभाषा तक नहीं बना पाए। मेरे प्रिय मतदाताओ गठबंधन की जिस भ्रष्ट राजनीति में चुनावों से पूर्व वोट बिक गया, चुनावों के पश्चात् सांसद और विधायक, उस राजनीतिक व्यवस्था में गरीबी, बेरोजगारी, अपराध जैसी अनगिनत समस्याओं का समाधान होना असम्भव है।

9. सत्य बहुमत के समर्थन में, मैं आज तक जितने भी लोगों और बुद्धिजीवियों से मिला, जितने भी सत्य बहुमत के समर्थन में प्रदर्शन किए और जितने भी टी.वी. चैनलों की चर्चाओं में भाग लेने का अवसर मिला, कहीं पर भी किसी ने सत्य बहुमत की राजनीति का विरोध नहीं किया, बल्कि सभी ने प्रसन्न होकर सत्य बहुमत की राजनीति का खुलकर समर्थन किया और इसीलिए सत्य बहुमत के समर्थन में मेरा साहस दिन प्रतिदिन बढ़ता चला गया। क्योंकि सत्य बहुमत की राजनीति का विकल्प अभी तक हमारे सामने नहीं था इसीलिए बीते 70 वर्षों तक हम गठबंधन की भ्रष्ट राजनीति में जीते रहे, परन्तु अब जब सत्य बहुमत की गठबंधनमुक्त राजनीति का विकल्प हमारे सामने है तब और अधिक भ्रष्ट राजनीति में रहने की न आवश्यकता है और न ही मजबूरी। सत्य बहुमत की राजनीति से देश में एक ऐसा परिवर्तन होगा जो विश्व की सभी राजनीतियों से सर्वश्रेष्ठ होगा।

10. प्रजातंत्र में राजनीति का सीधा सम्बन्ध बहुमत से होता है, और बहुमत गठबंधन की भ्रष्ट राजनीति के जाल में फंसा हुआ है, गठबंधन की भ्रष्ट राजनीति के जाल को काटने के लिए ~सत्य बहुमत~ के नाम से मतदाताओं के बहुमत को बहुमत मानकर हमने ~सत्य बहुमत पार्टी~ गठबंधनमुक्त राजनीतिक विकल्प बनाया है। ~सत्य बहुमत~ को स्थापित करवाने के लिए मेरा आपसे अनुरोध है कि पूरे भारत में आने वाले सभी लोकसभा और विधानसभा के चुनावों में उत्साहित होकर भाग लें। विशेषरूप से छात्र–छात्राओं को आह्वान करता हूं कि ~सत्य बहुमत~ की क्रांति को सफल बनाने के लिए बढ़ चढ़कर भाग लेकर जागरूक मतदाता और देश का जिम्मेवार नागरिक होने का परिचय दें। ***समझकर और ~सत्य बहुमत~ की राजनीति से सहमत होकर ~सत्य बहुमत पार्टी~ को अपना वोट, समर्थन व सहयोग देकर भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ, स्वाभिमानी, शक्तिशाली और समृद्ध राष्ट्र बनाने में सहयोगी बनकर गर्व का अनुभव करें।*** सत्य बहुमत की राजनीति पर चर्चा करने के लिए आप कभी भी समय निश्चित करके मेरे से मिलने का कार्यक्रम बना सकते हैं। जो लोग ~सत्य बहुमत~ की राजनीति से सहमत होकर सक्रिय कार्यकर्ता–सदस्य के रूप में भाग लेने के इच्छुक हैं, कृपया इमेल या व्हाट्सएप्प द्वारा सम्पर्क करें। वीडियो देखकर लाइक, कमेंट, सब्सक्राइब और शेयर करें। आपके सुझाव, सहयोग और समर्थन की प्रतीक्षा में परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं कि हम सबको स्वस्थ व प्रसन्न रखे।

धन्यवाद:

**गठबंधनमुक्त *~सत्य बहुमत~* जिन्दाबाद–जिन्दाबाद**

आपका



भाई सत्यदेव चौधरी

# ~सत्य बहुमत ~ की राजनीति सरकार में 100 प्रतिशत मतदाताओं के प्रतिनिधित्व का आश्वासन देती है, चाहे मतदाता सत्तापक्ष को मतदान करें या विपक्ष को।

**INDIA AGAINST**
**गठबंधन**
**~ सत्य बहुमत पार्टी ~**
'गठबंधनमुक्त राजनीतिक विकल्प'

धन का सहयोग करने के इच्छुक, इच्छानुसार राशि कृपया निम्न बैंक खाते में जमा करवाएं :

**BANK DETAILS**

**NAME** : SATYA BAHUMAT PARTY
**BANK** : PUNJAB NATIONAL BANK
**A/C No.** : 3072 0021 0008 6010
**IFSC** : PUNB0386200

स्कैन करके किसी भी UPI से भुगतान करें :

आप
~सत्य बहुमत~
को वोट देना

☆

~सत्य बहुमत~ आपको गठबंधनमुक्त राजनीति देगा

www.facebook.com/satyabahumatparty
Web : www.satyabahumat.com
Email : satyabahumat@gmail.com
+91 98219 43429/99714 07899
www.youtube.com/satyabahumat
Office : F-1, Model Town-II, Delhi-110009,
Phone 011 - 4909 5704